Hindi Murli Quiz 03-05-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **"स्वयं को और सर्व को राजी रखने वाले राज युक्त बच्चों को कभी भी अपने प्रति व अन्य किसी के प्रति किसी को काजी या वकील या जज बनाने की जरूरत नहीं रहती क्योकि कोई भी बात होती है तो बाप और बच्चे दोनों मिलकर फैंसला कर देते जिससे बात सेकेण्ड में समाप्त हो जाए । प्रवृत्ति का कायदा होता है कि अगर कोई भी बात तीसरे तक गई तो फैलेगी जरूर और जितना कोई बात फैलती है उतना बढ़ती है।"**

A. True
B. False

Q.2) **आज कि मुरली में बाप से मिलन मनाने के लिए सुझाये गये सभी तरीकों का चयन करें ---**

A. पुराने वायब्रेशन्स इन्टरफियर कर देते हैं इसलिए आपसी रूह-रूहान का रेसपान्स नहीं मिलता है ।
B. तीसरे को बिना डाले हम-शरीक सहयोगी बनकर यह रूह-रूहान करो कि मेरा मिलन कैसे हुआ, मेरी रूह-रूहान क्या हुई ।
C. बाप से मिलने के समय इस देह के भान को छोड़ना पड़े।
D. जो बाप की ड्रेस वह आपकी ड्रेस होनी चाहिए। समान होना चाहिए !
E. जैसे बाप निराकार से आकारी वस्त्र धारण करते हैं। आप भी आकारी फरिश्ता वाली चमकीली ड्रेस पहन कर आओ तब मिलन होगा।

Q.3) **"बाप और बच्चों का मिलन नही होता क्योंकि बच्चे -------के साथ वहाँ जाने का प्रयत्न करते हैं । यह देह -----है। जब --------का काम करना है तब --------के साथ करो। लेकिन मिलने के समय इस देह के भान को छोड़ना पड़े।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से केवल एक सबसे सटीक विकल्प से सभी रिक्त स्थान भरें]

A. कंप्लेंट
B. देह-भान
C. मिट्टी
D. श्रृंगार

Q.4) **"कोई-कोई बच्चों का संकल्प पहुँचता है कि मियाँ निराकार और बीबी साकार तो मेल कम होता है अर्थात् रेसपान्स नहीं मिलता है इसलिए काजी करना पड़ता है। बापदादा कहते हैं कि मियाँ ऐसा मिला है जो बहुरूपी है। जो रूप आप चाहो तो एक सेकेण्ड में जी हजूर कह हाजिर हो सकते हैं लेकिन आप भी बाप समान बहुरूपी बनो। बाप वतन से आकार में आते हैं, आप साकार से आकार में आओ। मिलने के स्थान पर तो पहुँचो। सूक्ष्म वतन आकारी वतन मिलने का स्थान है।"**

A. False
B. True

Q.5) **बापदादा ने विशेष प्रवृत्ति में रहने वाले बच्चों के हाल-चाल जानने के लिए जो-जो निरीक्षण किया अथवा देखा, उन सबका चयन करें -----**

A. व्यवहार के स्थान देखे।
B. आज की तमोगुणी प्रकृति और परिस्थितियों का प्रभाव देखा ।
C. बापदादा ने बच्चों के प्रवृत्ति के स्थान देखे।
D. राज्य का प्रभाव क्या-क्या पड़ता है, यह हाल-चाल भी देखा ।
E. उनके परिवार भी देखे ।

Q.6) **अर्जुन बनने अर्थात फर्स्ट प्राइज लेने के लिए अर्थात अनेक होते हुए भी एक बन जायें उसके लिये बापदादा ने टीचर्स को कौन सी बातों पर ध्यान देने अथवा करने के लिए कहा है ? कृपया चयन करें ---**

A. दूसरो में विशेषता ही देखें,कमजोरी नहीं -यह अभ्यास पक्का करना है
B. एक दूसरे को सहयोग दे ।
C. हरेक की दिल को दिलाराम समान आराम दो।
D. अगर कोई संस्कार के वश हैं, तो सहयोग देकर, हिम्मत बढ़ाकर उसको अपना साथी बनाना चाहिए ।
E. जैसे दु:खी आत्माओं के ऊपर रहमदिल बनते हो वैसे कमजोरियों के ऊपर भी रहमदिल बनो।
F. देखते हुए भी कमजोरी को समाकर सहयोग देते रहें। तिरस्कार नहीं करें लेकिन तरस की भावना रखें।

Q.7) **बापदादा ने प्रवृत्ति में रहने वाले बच्चों के निरीक्षण के समय जो रिजल्ट देखा अर्थात जो पाया, उन सबका चयन करें ---**

- **A.** ☑ सदा बाप की याद की छत्रछाया के अन्दर किसी भी माया के वार व आकर्षण से सदा सेफ रहने वाले हैं।
- **B.** ☑ बापदादा ने पाया कि बच्चे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों का बैलेन्स रखते हुए बहुत अच्छा श्रेष्ठ पार्ट बजा रहे हैं।
- **C.** ☑ सदा बाप के साथी और साक्षी हो विश्व के आगे प्रत्यक्ष प्रमाण बने हुए हैं।
- **D.** ☑ "मिया [बाप] बीबी [आप] राजी तो क्या करेगा काजी" के कारण बच्चों को किसी को काजी या वकील बनाने की जरूरत ही नहीं पड़ती ।
- **E.** ☑ कई बच्चे न्यारे और प्यारे होने के कारण सदा स्वयं भी राजी,उनसे प्रवृत्ति भी राजी और बाप-दादा भी सदैव उन पर राजी रहते हैं।

Q.8) **शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	स्थूल आग जितनी फैलेगी उतना नुकसान करेगी।	बातें भी विकारों की आग है,इसलिए फैलाओ नही ।
B	तीसरे को सुनाना अर्थात् घर की बात को बाहर निकालना।	क्यों नहीं बाप जाने और आप जानें, तीसरा कोई नहीं-ऐसा फैसला करलो।
C	फरिश्ता वाली चमकीली ड्रेस ऐसी ड्रेस है,	जो माया प्रूफ एवं इस पुरानी दुनिया के वृत्ति और वायब्रेशन प्रूफ है।
D	जब दोनों समान चमकीली ड्रेस वाले होंगे और चमकीले वतन में होंगे,	तब अच्छा लगेगा और अनुभव भी होगा ।

Q.9) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	काजी को छोड़ दो,	क़ाज़ी को बीच में डालते हो तो बीच भँवर में आ जाते हो।
B	भँवर से बचाने की मेहनत मियाँ को ही करनी पड़ती है,	इसलिए विश्व-कल्याण का कार्य रह जाता है।
C	ड्रेस का परिवर्तन करने नहीं आता,	तो विश्व को कैसे परिवर्तन करेंगे।
D	टीचर्स अर्थात्	बाप समान सर्वश्रेष्ठ आत्मायें।
E	सिर्फ संगमयुग ही चढ़ने का युग है फिर तो उतरना शुरू हो जायेगा,	इसलिए संगम युग में सदा चढ़ती कला में रहो ।

Q.10) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं --**

	Choice	Match
A	ब्राह्मण बनना अर्थात्	चाहिए-चाहिए समाप्त।
B	इसी नशे में रहो कि हम विश्व के मालिक के बालक हैं,	तो मांगना समाप्त हो जायेगा।
C	संगमयुग पर सिर्फ पुरुषार्थी नहीं लेकिन श्रेष्ठ प्रारब्धी हैं,	इस स्वरूप को सदा सामने रखो।
D	`पाना था सो पा लिया"-यह गीत गाओ,	तो घुटके और झुटके खाने से बच जायेंगे।
E	ब्राह्मणों का श्वांस हिम्मत है,	इससे कठिन से कठिन कार्य भी आसान हो जाता है।